International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 06 June- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

जनजाति समुदाय में उच्च शिक्षा का प्रभाव

(खरगोन जिले के जनजाति समुदाय के सर्वेक्षित परिवारों के आधार पर)

विनोद कुमार पटेल एवं डॉ. ऊषा वैद्य

शोधार्थी, पीएच.डी, समाजकार्य, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल, म.प्र.

रिसर्च सुपरवाइजर, प्राध्यापक, समाजशास्त्र, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल, म.प्र.

सारांश

खरगोन जिले के सर्वेक्षण में पाया गया है कि उच्च षिक्षा के उपलब्ध होने से जनजाति समुदायों की स्थानीय समाज में गतिषीलता बढी है और उनके अधिकारों के प्रति जागरुकता का बढना उनके समाज में एक बहुत बडी उपलब्धि साबित हो रही है। उच्च षिक्षा के माध्यम से जनजाति समुदायों को सामाजिक और आर्थिक रुप से स्थिर होने के लिए मदद मिलने की संभावना है एवं नई प्रौद्योगिकी, तकनीक, ज्ञान और उच्च षिक्षा के माध्यम से अवगत होने के अनुन्तर जनजाति समुदाय अपना विकास और समाज में उन्नति कर सकता है।

शब्दकुंजी – जनजातिय समुदाय और उच्च शिक्षा का प्रभाव

प्रस्तावना

उच्च शिक्षा अर्थात सामान्य रूप से दी जाने वाली शिक्षा से ऊपर किसी विशेष विषय या विषयों में विशेष स्तर की शिक्षा ग्रहण करने को उच्च शिक्षा कहा गया है। जो प्रायः महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, व्यावसायिक विश्वविद्यालयों, कम्यूनिटी महाविद्यालयों , लिबरल आर्ट कालेजों एवं प्रौद्योगिकी संस्थानों आदि के द्वारा दी जाती है। प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा के बाद की शिक्षा उच्च शिक्षा हे जो कि तृतीय स्तर पर आती है। यह कोई अनिवार्य शिक्षा न होकर ऐच्छिक शिक्षा है जिसके अंतर्गत स्नातक, परास्नातक एवं व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण आदि आते है। उच्च शिक्षा का उद्देश्य लोगों को शिक्षित कर अधिक से अधिक सभी क्षेत्रों में जानकारी हासिल कर सकता है जिससे वह अपना सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक संतुलन बनाने में कामयाब हो सकता है। इसके अलावा उसके ऊपर होने वाले अन्याय, शोषण के प्रति जागरूक होकर अपने लिये न्याय, शोषणरहित होकर एक जागरूक नागरिक बनता है। इसीलिये सभी के लिये शिक्षा एक अनिवाय तंत्र है। खरगोन जिले के जनजातिय समुदाय में सर्वेक्षण करने पर पाया गया है कि उच्च षिक्षा के उपलब्ध होने से जनजाति समुदायों की स्थानीय समाज में गतिषीलता बढी है और उनके अधिकारों के प्रति जागरुकता का बढना उनके समाज में एक बहुत बडी उपलब्धि साबित हो रही है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 06 June- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

अध्ययन के उद्देश्य

खरगोन जिले के जनजातिय समुदाय में उच्च शिक्षा ग्रहण करने से आये बदलाव का अध्ययन करना।

अध्ययन क्षेत्र

अध्ययन क्षेत्र के लिये खरगोन जिले का चयन किया गया है। जिसमें जनजातिय समुदाय के 300 परिवारों को चुना गया है।

निदर्शन प्रक्रिया

प्रस्तुत अध्ययन मे खरगोन जिले के 300 परिवारों का चयन कर सर्वे किया गया जिसमें प्राप्त आंकडों के अनुसार विश्लेषण किया गया है। इसके अलावा जनजातिय समुदाय की शिक्षा एवं जीवनशैली से संबंधित पुस्तको, परियोजनाओं एवं अधिनियमों का अध्ययन किया गया ।

खरगोन जिले में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या अधिक है। इनका जीवन स्तर एकदम सामान्य है। कई प्रकार की समस्याओं का सामना उन्हें दिन प्रति दिन करना पडता है। सामान्य शिक्षा तो वह ग्रहण कर लेते है लेकिन उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वे अभी भी पिछडे हुये है। खरगोन जिले के जनजातिय समुदाय के वर्तमान का युवावर्ग अधिकतर स्नातक स्तर तक ही शिक्षित हो पाये है।

सारिणी क्रं.– 1

उत्तरदाताओं के शैक्षणिक स्तर के आधार पर वर्गीकरण

उत्तरदाता	आवृत्ति	प्रतिशत
स्नातक	162	54.0 प्रतिशत
स्नातकोत्तर	108	36.0 प्रतिशत
स्नातकोत्तर से अधिक	25	8.3 प्रतिशत
अन्य	5	1.7 प्रतिशत
योग	300	100.0

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 06 June- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

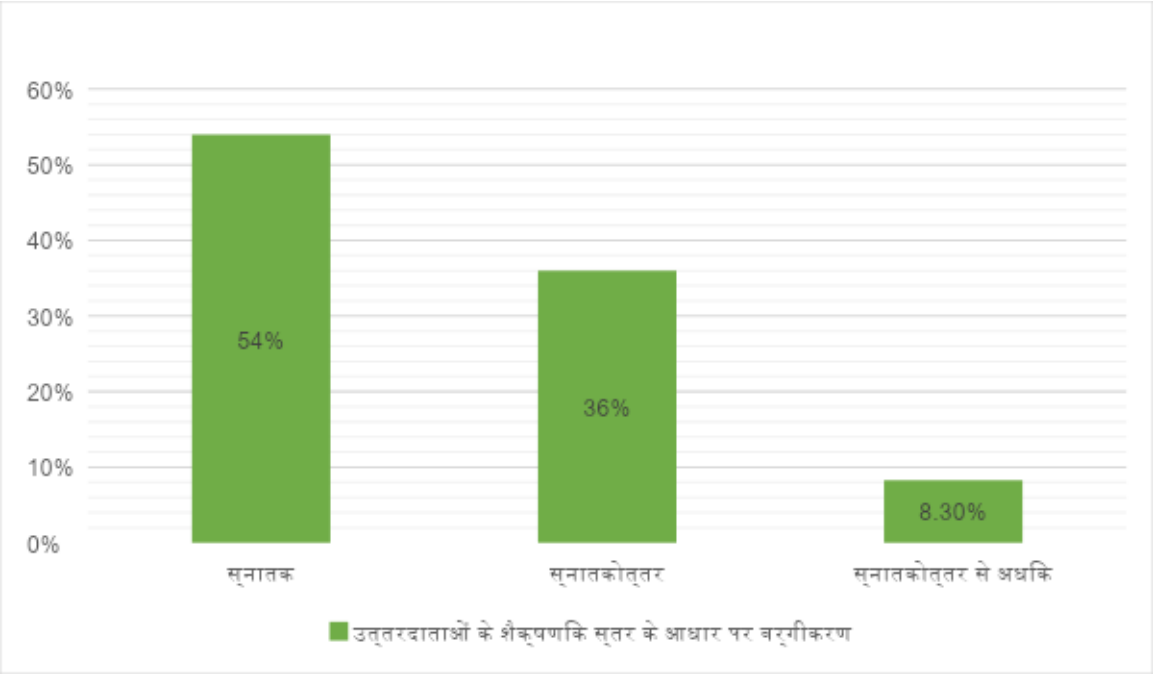

उपरोक्त सारिणी में उत्तरदाता के शैक्षणिक स्तर के आधार पर वर्गीकरण करने पर 300 उत्तरदाताओं मे से 162 लोग स्नातक तक पढे है जिसका 54 प्रतिशत है जो कि सर्वाधिक है जबकि 108 लोग स्नातकोत्तर तक पढे है जिसका 36 प्रतिशत है। उसी प्रकार 25 लोग स्नातकोत्तर से अधिक पढे है जिसका 8.3 प्रतिशत है एवं 5 लोग अन्य प्रकार के डिप्लोमा और डिग्री लेकर पढे है, जिसका 1.7 प्रतिशत है जो कि सबसे कम है। अतः इससे स्पष्ट है कि अधिकांश उत्तरदाता स्नातक तक पढे है।

सारिणी क्रं. – 2

उत्तरदाता से उच्च शिक्षा प्राप्त करने से परिवर्तन के बारे मे जानने से संबंधित वर्गीकरण

उत्तरदाता	आवृत्ति	प्रतिशत
हां	261	87 प्रतिशत
नहीं	39	13 प्रतिशत
योग	300	100

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 06 June- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

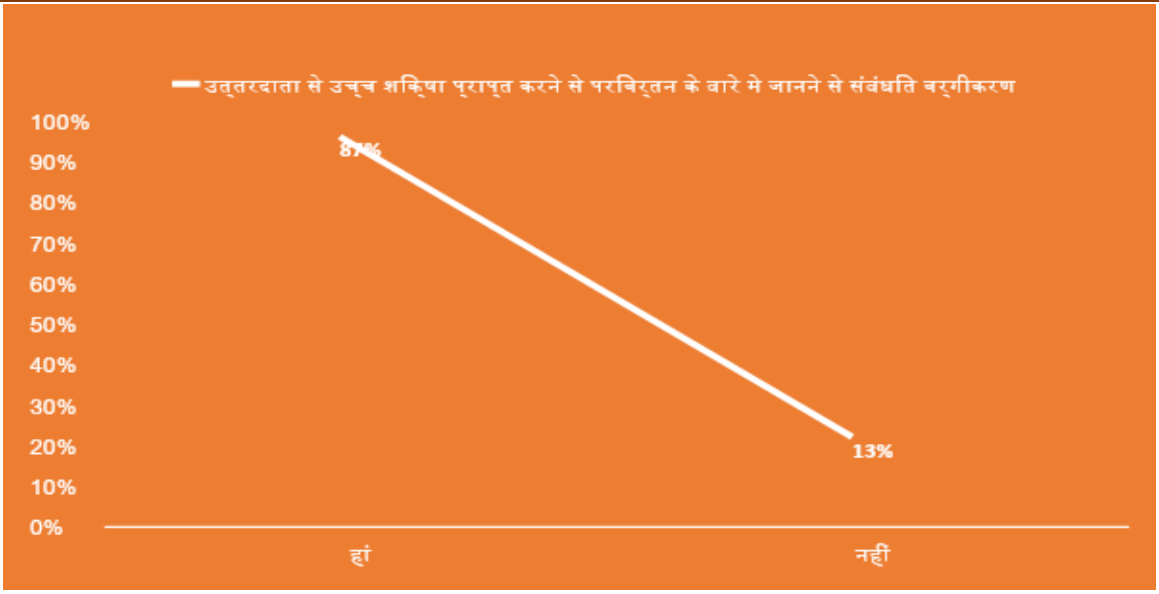

उपरोक्त सारिणी में उत्तरदाता से उच्च शिक्षा प्राप्त करने से परिवर्तन के बारे मे जानने से संबंधित वर्गीकरण करने पर 300 उत्तरदाताओं में से 261 लोग का मानना है कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने से परिवर्तन आया है, जिसका 87 प्रतिशत है, जो कि बहुत अधिक है जबकि 39 लोगों का मानना है कि उच्च शिक्षा से कोई विशेष परिवर्तन नहीं आया है, जिसका 13 प्रतिशत है, जो कि बहुत कम है। इससे स्पष्ट है कि अधिकतर लोगों का मानना है कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने से उनके जीवन में कई प्रकार के परिवर्तन आये है।

सारिणी क्रं.–3
उत्तरदाता से यदि हां तो किस प्रकार से परिवर्तन आया, जानने से संबंधित वर्गीकरण

उत्तरदाता	आवृत्ति	प्रतिशत
पहले की तुलना में रोजगार प्राप्त करने में सफल हुये	55	18.3 प्रतिशत
पहले की तुलना में स्वरोजगार स्थापित करने में सफल हुये	47	15.7 प्रतिशत
पहले की तुलना में जनजाति समुदाय में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में सफल हुये	30	10.0 प्रतिशत
पहले की तुलना में भौतिक सुविधा लेने में प्राप्त सफल हुये	45	15.0 प्रतिशत
उपरोक्त सभी	84	28.0 प्रतिशत
योग	261	87.0 प्रतिशत

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 06 June- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

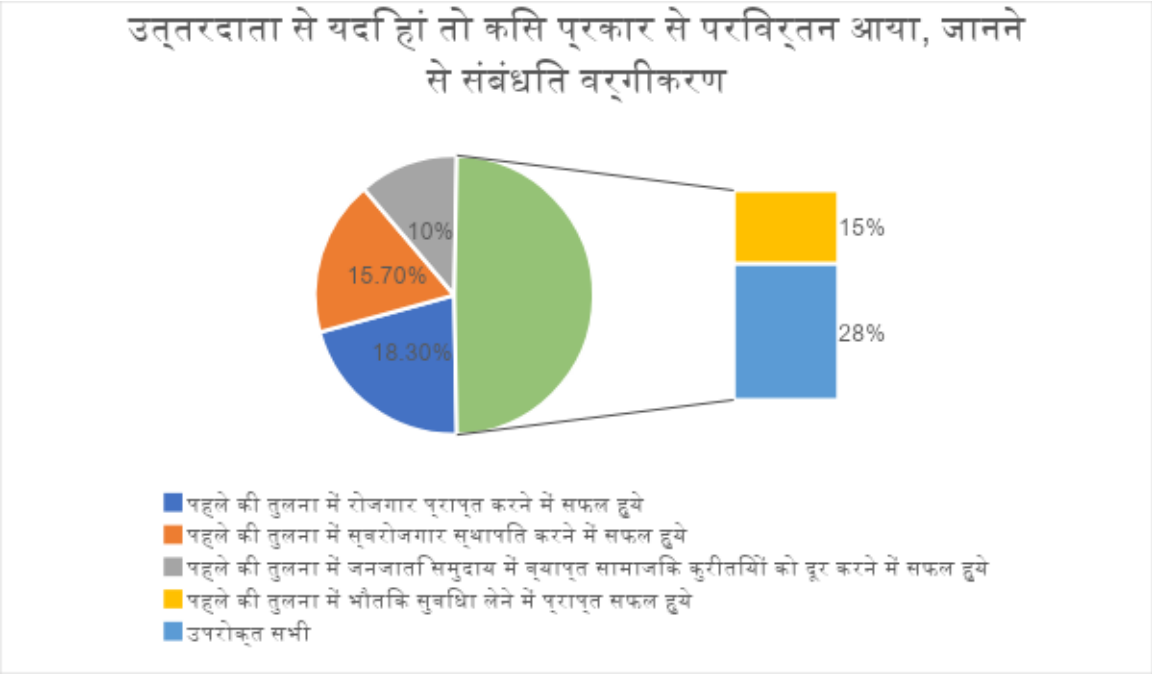

उपरोक्त सारिणी में उत्तरदाता से यदि हां तो किस प्रकार से परिवर्तन आया, जानने से संबंधित वर्गीकरण 261 लोगों में 55 लोगों का कहना है कि पहले की तुलना में रोजगार प्राप्त करने में सफल हुये, जिसका 18.3 प्रतिशत है जबकि 47 लोगों का कहना है कि वे पहले की तुलना में स्वरोजगार स्थापित करने में सफल हुये, जिसका 15.7 प्रतिशत है। एवं 30 लोगों का कहना है कि वे पहले की तुलना में जनजाति समुदाय में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में सफल हुये, जिसका 10 प्रतिशत है जो कि सबसे कम है जबकि 45 लोगों का कहना है कि वे पहले की तुलना में भौतिक सुविधा लेने में प्राप्त सफल हुये, जिसका 15 प्रतिशत है। उसी प्रकार उपरोक्त सभी को कहने वाले लोगों की संख्या 84 है तथा जिसका 28 प्रतिशत है, जो कि सर्वाधिक है। इससे स्पष्ट है कि खरगोन जिले के अधिकतर लोग उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपना रोजगार के अलावा कुछ लोग स्वरोजगार, जनजाति समुदाय में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के अतिरिक्त अपने लिये भौतिक साधनों को जुटाने में सक्षम हुये।

सारिणी क्रं.–4

उत्तरदाता से उच्च शिक्षा प्राप्त करने पर आय में वृद्धि के बारे मे जानने से संबंधित वर्गीकरण

उत्तरदाता	आवृत्ति	प्रतिशत
हा	222	58 प्रतिशत
नहीं	78	42 प्रतिशत
योग	300	100

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 06 June- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

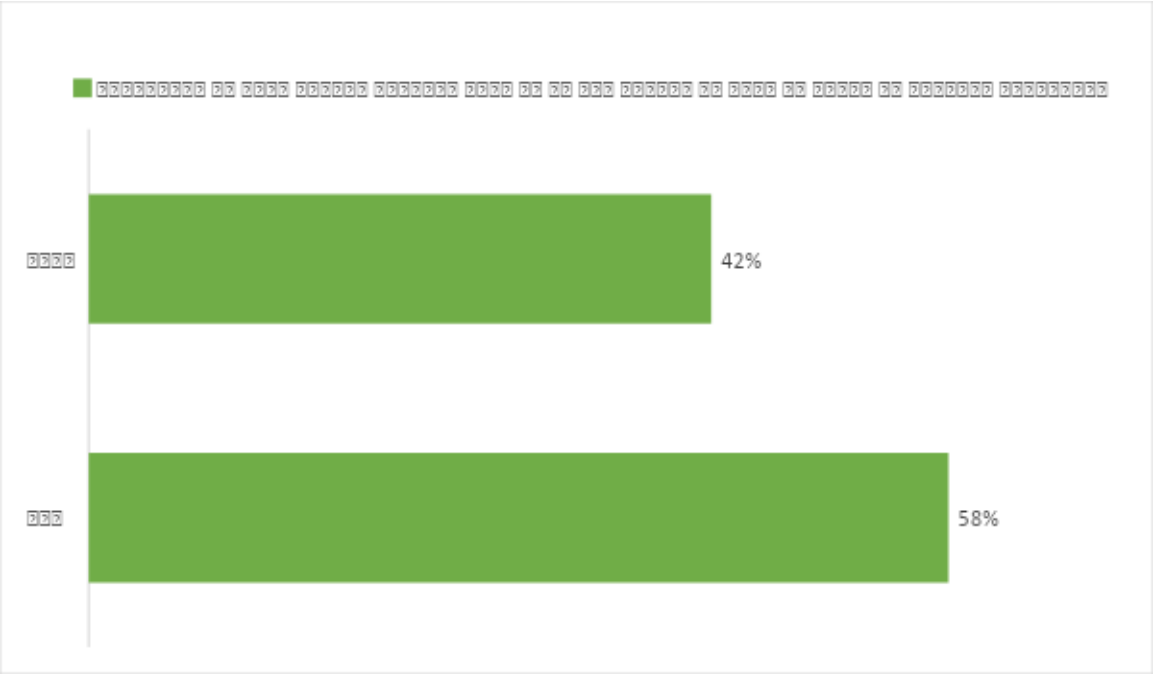

उपरोक्त सारिणी में उत्तरदाता से उच्च शिक्षा प्राप्त करने पर आय में वृद्धि के बारे मे जानने से संबंधित वर्गीकरण करने पर 300 उत्तरदाताओं में से 222 लोग माना है कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने पर उनकी आय में वद्धि हुई है जिसका 58 प्रतिशत है, जो कि सर्वाधिक है जबकि 78 लोगों का मानना है कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात नौकरी न मिलने पर उनकी आय में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं हुई है जिसका 42 प्रतिशत है जो कि सबसे कम है। इससे स्पष्ट है कि जिले के अधिकतर लोग उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपनी स्वयं की आय में वृद्धि की है।

सारिणी क्रं.–5

उत्तरदाता से शिक्षा से गरीबी और बेरोजगारी की समस्या को हल करने में कितनी सफलता मिली, के बारे मे जानने से संबंधित वर्गीकरण

उत्तरदाता	आवृत्ति	प्रतिशत
सफल हुई है	156	52.0 प्रतिशत
आंशिक सफलता मिली है	76	25.4 प्रतिशत
पूर्ण सफल हुई है	52	17.3 प्रतिशत
पूर्ण असफल रही है	16	5.3.प्रतिशत
योग	300	100.0

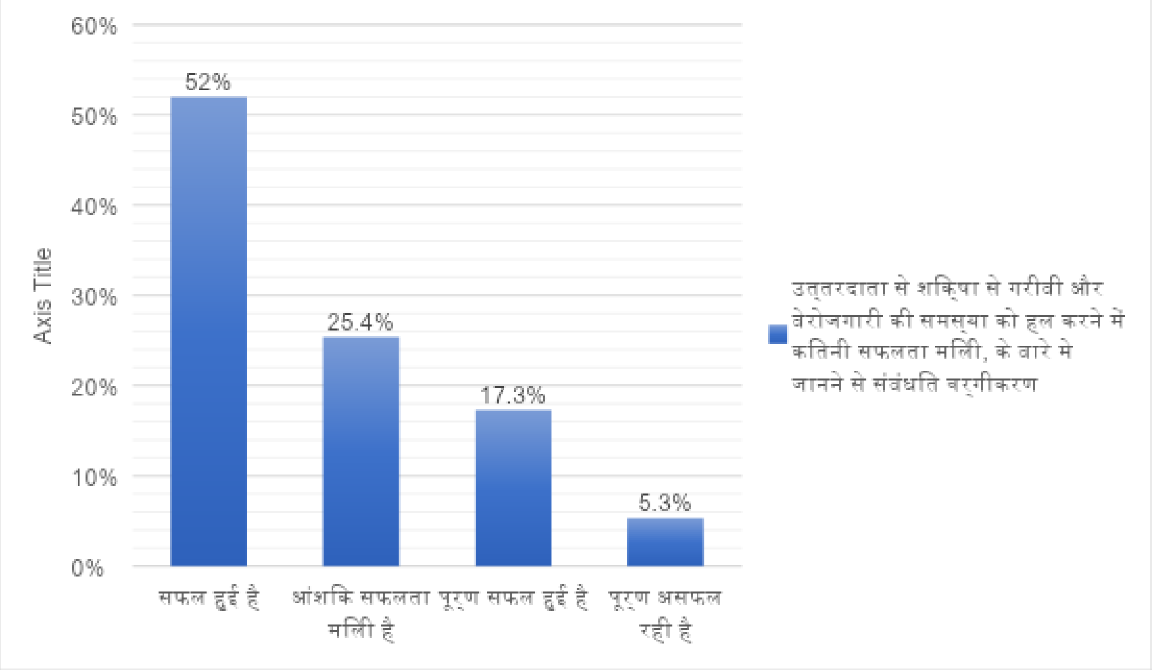

उपरोक्त सारिणी में उत्तरदाता से शिक्षा से गरीबी और बेरोजगारी की समस्या को हल करने में कितनी सफलता मिली, के बारे मे जानने से संबंधित वर्गीकरण करने पर ज्ञात हुआ कि 300 उत्तरदाताओं में से 156 लोगों का कहना है कि शिक्षा से गरीबी और बेरोजगारी की समस्या को हल करने में सफल हुई है जिसका 52 प्रतिशत है, जो कि सर्वाधिक है जबकि 76 लोगों का कहना है कि शिक्षा से गरीबी और बेरोजगारी को आंशिक सफलता मिली है जिसका 25.4 प्रतिशत है। उसी प्रकार 52 लोगों का कहना है कि शिक्षा से गरीबी और बेरोजगारी की समस्या को हल करने में पूर्ण सफल रही है जिसका 17.3 प्रतिशत है जबकि 16 लोगों का कहना है कि शिक्षा गरीबी और बेरोजगारी की समस्या को दूर करने में पूरी तरह से असफल रही है जिसका 5.3 प्रतिशत है जो कि सबसे कम है। इससे स्पष्ट है कि अधिकांश लोगों का मानना है कि शिक्षा, गरीबी और बेरोजगारी की समस्या को हल करने में सफल रही है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 06 June- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

सारिणी क्रं.–6

उत्तरदाता से उच्च शिक्षा प्राप्त करने से जीवन में क्या सकारात्मक प्रभाव पडा, जानने का वर्गीकरण

उत्तरदाता	आवृत्ति	प्रतिशत
सामाजिक एवं आर्थिक जीवन में सुधार	30	10 प्रतिशत
सम्मानजनक जीवनशैली प्राप्त हुई है।	20	6.6 प्रतिशत
जागरूक नागरिक बन पाये है।	25	8.4 प्रतिशत
बेहतर व्यक्ति बनने में सक्षम हुये है।	50	16.7 प्रतिशत
रोजगार प्राप्ति में आसानी	35	11.6 प्रतिशत
निर्णय लेने की क्षमता आ गई है।	29	9.7 प्रतिशत
व्यापार करने में मदद मिली है।	40	13.4 प्रतिशत
रहन–सहन एवं खानपान में सुधार	20	6.6 प्रतिशत
योग	249	83.0 प्रतिशत

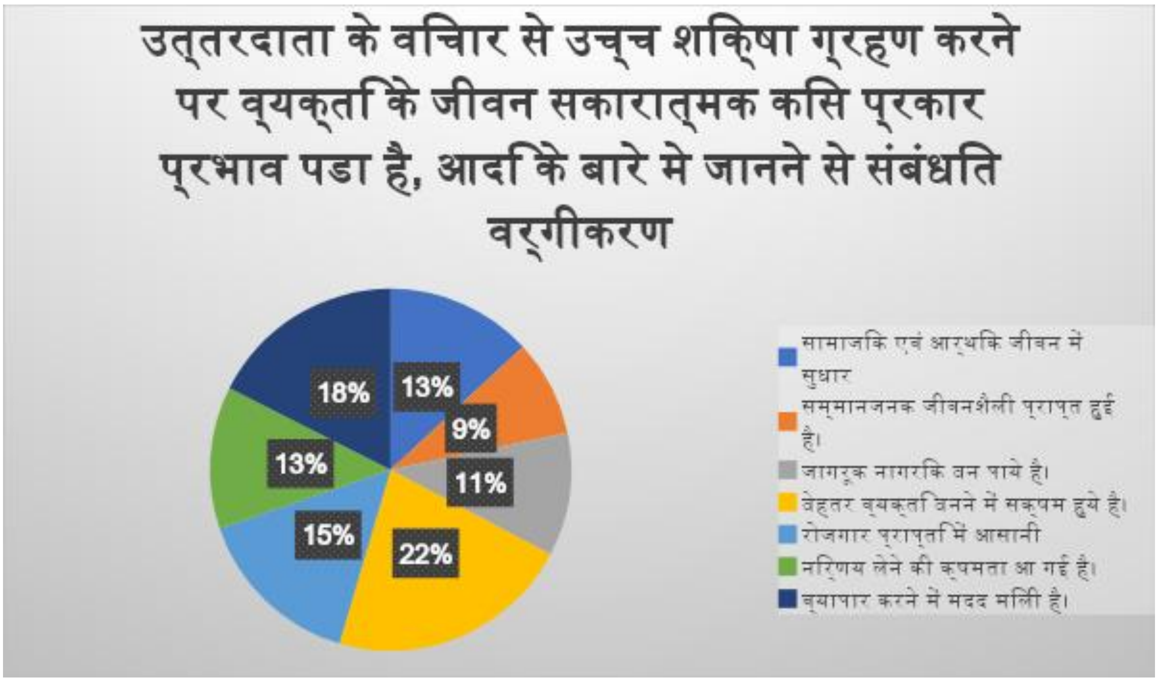

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 06 June- 2024
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

उपरोक्त सारिणी में उत्तरदाता से उच्च शिक्षित होने पर उनके जीवन में किस प्रकार के सकारात्मक प्रभाव पडे, को जानने के लिये किये गये वर्गीकरण के अनुसार 249 उत्तरदाताओं में से 30 लोगों का कहना है कि उनके सामाजिक–आर्थिक जीवन में सुधार हुये है जिसका 10 प्रतिशत है जबकि 20 लोगों का कहना है कि उन्हें सम्मानजनक जीवनशैली प्राप्त हुई है जिसका 6.6 प्रतिशत है। उसी प्रकार 25 लोगों ने कहा है कि वे जागरूक नागरिक बन सकें, जिसका 8.4 प्रतिशत है जबकि 50 लोगों का कहना है कि वे बेहतर व्यक्ति बनने में सक्षम हो सकें, जिसका 16.7 प्रतिशत है एवं 35 लोगों ने कहा कि उन्हें रोजगार प्राप्त करने में आसानी हुई जिसका 11.6 प्रतिशत है। तथा 29 लोगों का कहना है कि उनमें निर्णय लेने की क्षमता आ गई जिसका 9.4 है जबकि 40 लोगों ने कहा कि उन्हें अपना व्यापार करने में मदद मिली जिसका 13.4 प्रतिशत है। उसी प्रकार 20 लोगों ने कहा कि उनके रहन–सहन में सुधार हुआ जिसका 6.6 प्रतिशत है जो कि सबसे कम है। इससे स्पष्ट है कि आदिवासी समुदाय में उच्च शिक्षा प्राप्त करने से सकारात्मक पभाव पडा है।

निष्कर्ष

1. खरगोन जिले के आदिवासी समुदाय में उच्च शिक्षा प्राप्त करने से सकारात्मक प्रभाव पडा है।
2. अधिकांश लोगों का मानना है कि शिक्षा, गरीबी और बेरोजगारी की समस्या को हल करने में सफल रही है।
3. खरगोन जिले के अधिकतर लोग उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपना रोजगार के अलावा कुछ लोग स्वरोजगार, जनजाति समुदाय में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के अतिरिक्त अपने लिये भौतिक साधनों को जुटाने में सक्षम हुये।
4. जिले के अधिकतर लोग उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपनी स्वयं की आय में वृद्धि की है।
5. अधिकतर लागों का मानना है कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने से उनके जीवन में कई प्रकार के परिवर्तन आये है।

संदर्भ

1. कुमार हरेन्द्र, (2013), ***'ग्रामीण विकास में शिक्षा की भूमिका एक सिंहावलोकन',*** कुरुक्षेत्र मासिक पत्रिका, प्रकाशन–निर्माण भवन ग्रामीण विकास मंत्रालय नई दिल्ली सितंबर (2013) पृ. 5
2. कुमार विमल, (2014), ***'नई सरकार में शिक्षा की नई उड़ान',*** योजना बजट 2014–15 हिन्दी मासिक पत्रिका प्रकाशन– योजना भवन, नई दिल्ली अगस्त, पृ.46
3. खरे कल्पेश (2001), ***'जनजातीय भारत',*** महावीर पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स इंदौर पृ. 457–459
4. जैन.ए. के. (2013), ***'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता चुनौती एवं संभावनाएं',*** प्रकाशन– जनमत स्वर वर्ष 13 अंक 5, भोपाल सितम्बर पृ. 20
5. महाजन, डॉ. संजीव, (2011), ***''आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन'',*** अर्जुन पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली